वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 65 | सोमवार 3 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

तीन देशों की यात्रा के क्रम में स्कॉटलैंड पंहुचीं रूमा

जयपुर. कासं

सामाजिक कार्यकर्ता व फैशन डिजाइनर डॉ. रूमा देवी इस समय तीन देशों की यात्रा पर है, जिसके तहत इंग्लैंड के बाद वे स्कॉटलैंड के ग्लास्गो शहर पंहुची। जहां उनका प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने स्वागत व अभिनंदन किया। प्रवासी समुदाय के प्रवक्ता प्रदीप बैडा ने बताया रूमा देवी स्कॉटलैंड आने पर ग्लास्गो में अभिनंदन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया, जिसमें अलग अलग क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रवासियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि रूमा देवी ने नागौर राजस्थान के सूर्यवीर सिंह राठौड़ के पन्द्रह सौ एकड़ में फैले उनके फार्म हाउस पर पशुपालन व कृषि तकनीक का अवलोकन किया। जहां अलग अलग तरह की खेती के साथ सैकड़ों गाय, भैड़ व हिरण की देखरेख ड्रोन कैमरों की मदद से की जा रही है। रूमा देवी ने सूर्यवीर सिंह के नवाचारों की सराहना की और राजस्थान में आकर लोगों को कम लागत में नवाचार के साथ कृषि व पशुपालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया। रूमा देवी स्कॉटलैंड में एशियाई समुदाय से रेडियो आवाज एफएम के माध्यम से रुबरू हुई और स्कॉटलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और धरोहर संरक्षण पर सरकारी पहल की तारीफ की और भारतीय हस्तशिल्प और वैभवशाली कला संस्कृति की नवीन संभावनाओं पर वार्ता की। इंग्लैंड व स्कॉटलैंड के बाद रूमा देवी सयुंक्त राज्य अमेरिका में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेगी।

राज्य स्तरीय पालनहार लाभार्थी संवाद

सीएम आज करेंगे 5.91 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में 87.36 करोड़ रुपए का सीधा हस्तांतरण

निरोगी राजस्थान संकल्पना: 473 चिकित्सा संस्थानों के भवनों का होगा निर्माण

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को राज्य स्तरीय पालनहार लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के तहत 5,91,730 लाभार्थियों के बैंक खातों में 87,36,56,750 रुपए की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित करेंगे। मुख्यमंत्री आवास पर दोपहर 12 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में गहलोत वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। प्रदेश के सभी जिलों में भी जिला स्तरीय लाभार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी जिले वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम से जुड़ेंगे। बजट में पालनहार योजना में 0 से 6 वर्ष आयु के बच्चों के लिए प्रतिमाह दी जाने वाली सहायता राशि 500 से बढ़ाकर 750 रुपए प्रतिमाह और 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग को देय राशि एक हजार से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रतिमाह करने की घोषणा की थी। वर्तमान राज्य सरकार के अब तक के कार्यकाल में योजना पर 2516 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार हर शहर, गांव-ढाणी तक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार कर रही है। स्वास्थ्य

केंद्रों के क्रमोन्नयन से लेकर संस्थानों के सुदृढ़ीकरण सहित स्वास्थ्य सेवाओं को मजूबत बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऐसे विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 473 चिकित्सा संस्थानों के भवनों का निर्माण कराया जाएगा। इसमें विभिन्न स्त्रोतों से 2185 करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय होगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनमें सामुदायिक, प्राथमिक, उप स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय, ट्रोमा सेंटर, सैटेलाइट चिकित्सालय, मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, उपजिला चिकित्सालय सहित अन्य चिकित्सा संस्थान शामिल हैं। राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 हजार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने का लक्ष्य रखा है। गहलोत ने इसके लिए 44 करोड़ रु. के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। पहले 46 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। इस स्वीकृति से यात्रियों को हवाई और रेल के जरिए विभिन्न तीर्थ स्थलों पर यात्रा कराई जाएगी। राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा यात्रियों के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने जयपुर की पंचायत समिति जालसू के रोजदा स्थित श्री गोपाल जी मंदिर परिसर में विकास कार्यों के लिए वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत की स्वीकृति से मंदिर परिसर में 2 करोड़ रुपए की लागत से कार्य होंगे।

शिक्षा : साबला में खुलेगा कॉलेज, 21 पद सृजित होंगे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डूंगरपुर के साबला में नवीन सरकारी कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही गहलोत ने कॉलेज के संचालन के लिए 21 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, डूंगरपुर जिले के साबला में 4.50 करोड़ रुपए की लागत से कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा।

चुनाव से पहले तीन और शहरों से वंदे भारत

नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे को स्वीकृत है 5 ट्रेन, उदयपुर, बीकानेर और कोटा को मिलेगी सौगात

जयपुर. कासं। रेलवे का इन दिनों स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर जोर है। इसके तहत 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव 498 करोड़ रुपए, से गोरखपुर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा मोदी गोरखपुर से ही तीन शहरों की वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इनमें गोरखपुर-लखनऊ, चेन्नई-तिरुपति और भगत की कोठी (जोधपुर)-साबरमती (अहमदाबाद) वंदे भारत ट्रेन शामिल हैं। इसे लेकर रेलवे की तैयारियों का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वंदे

भारत के संचालन के लिहाज से अजमेर-पुरी सहित 11 ट्रेनों के अहमदाबाद पहुंचने और रवाना होने के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। ट्रेन भगत की कोठी-साबरमती 446 किमी की दूरी 74 की औसत गति से 6 घंटे में तय करेगी। इसके बाद मोदी अगले दिन बीकानेर में भी 450 करोड़ रुपए से किए जा रहे बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास का भी शिलान्यास करेंगे। इसे लेकर शुक्रवार शाम मुख्यालय में जीएम विजय शर्मा, डीआरएम/बीकानेर संजीव श्रीवास्तव सहित अधिकारियों की बैठक हुई। बाद में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी वीसी के जरिए बैठक की। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे को 5 वंदे भारत ट्रेन का संचालन स्वीकृत है। इसमें पहली अजमेर-दिल्ली के बीच और दूसरी अब जोधपुर अहमदाबाद के बीच शुरू हो रही है। इसके बाद तीसरी वंदे भारत भी चुनाव से पहले चलाई जाएगी। हालांकि अभी इसका रूट निर्धारित नहीं है। लेकिन सूत्रों की मानें तो अगली वंदे भारत बीकानेर या उदयपुर से चलाई जाएगी।

विशेष मति माताजी के चातुर्मास के पोस्टर का विमोचन

तीन को मंगल प्रवेश व चार को मंगल कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर में गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की शिष्या विशेष मति माताजी के होने वाले चातुर्मास के पोस्टर का विमोचन शनिवार को माताजी के सानिध्य में भांकरोटा जैन मंदिर माताजी के विहार के दौरान हुआ । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि माताजी का चातुर्मास हेतु तीन जुलाई को जनकपुरी में मंगल प्रवेश तथा चार जुलाई को मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम होगा । पोस्टर विमोचन के समय प्रबंध समिति के मंत्री देवेंद्र कासलीवाल कोषाध्यक्ष सोभाग अजमेरा दिलीप चाँदवाड ज्ञान चंद जैन सहित कई गणमान्य सदस्य मोजूद थे। माताजी का भांकरोटा से श्याम नगर के लिए विहार होगा।

अहिंसा धर्म का पालन एवं जीवो की विराधना से बचने के लिए करते हैं संत चतुर्मास

जयपुर. शाबाश इंडिया

भक्तों को सबसे ज्यादा प्रतीक्षा होती है, चतुर्मास कलश स्थापना के दिवस की। हो भी क्यों ना, इस दिन उनके मन और हृदय में संतों का सानिध्य मिलने से जो खुशी की लहरें उठ रही होती है, उनको ही वे इस दिन उत्सव मनाकर प्रकट करते हैं ।चातुर्मास में सभी जैन संत अपनी यात्रा रोक देते हैं और मंदिर, आश्रम या संत निवास पर ही रहकर यम और नियम का पालन करते हैं।जैन धर्म के अनुसार यह चार माह व्रत, साधना और तप के रहते हैं। इस दौरान सख्त नियमों का पालन करना चाहिए ।चातुर्मास पर्व यानि चार महीने का पर्व जैन धर्म का एक अहम पर्व होता है। जैन धर्म के मूल सिद्धांतों में सबसे प्रमुख सिद्धांत अहिंसा धर्म है उसी अहिंसा धर्म का परिपूर्ण पालन करने के लिए जैन साधक साधु संत वर्षा कालीन 4 माह में अपनी यात्रा को विराम देते भी एक ही स्थान पर ठहर कर साधना करते हैं और जनकल्याण की भावना से धर्म उपदेश देकर पूरे समाज का आध्यात्मिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं ।जैन धर्म के अनुसार बारिश के मौसम में कई प्रकार के कीड़े मकोड़े सूक्ष्मजीव एवं वनस्पति आदि का प्रादुर्भाव होने के कारण उनकी विराधना बचने के लिए जैन संत कम से कम गमन करते हुए एक ही स्थान पर ठहर जाते हैं ।

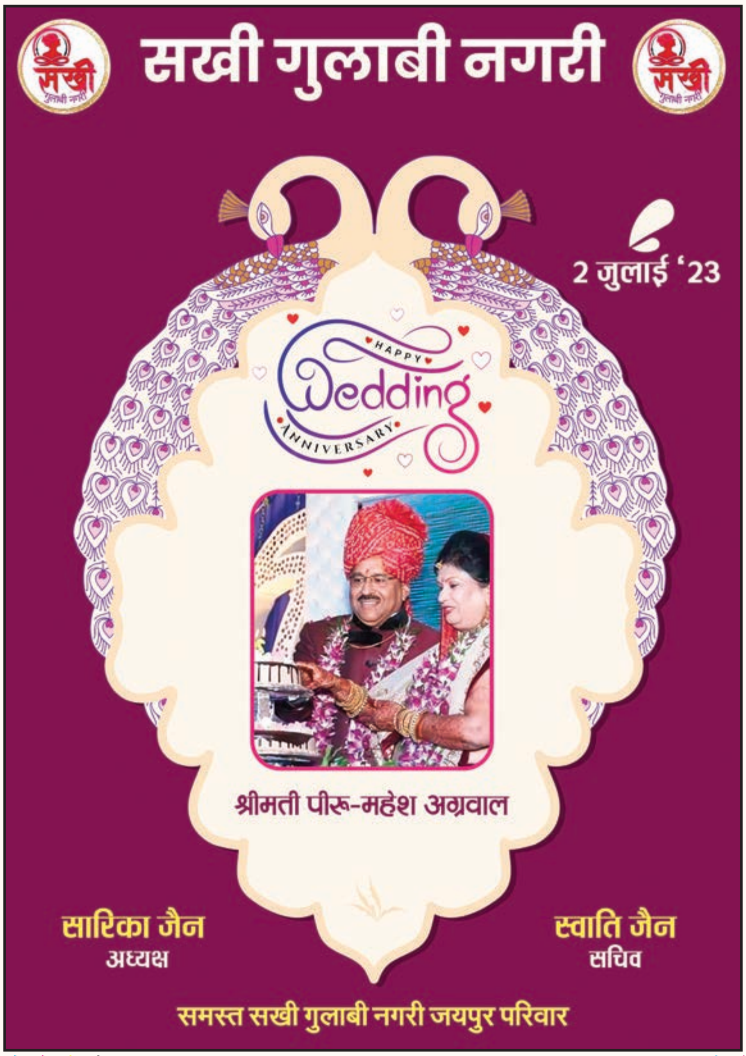

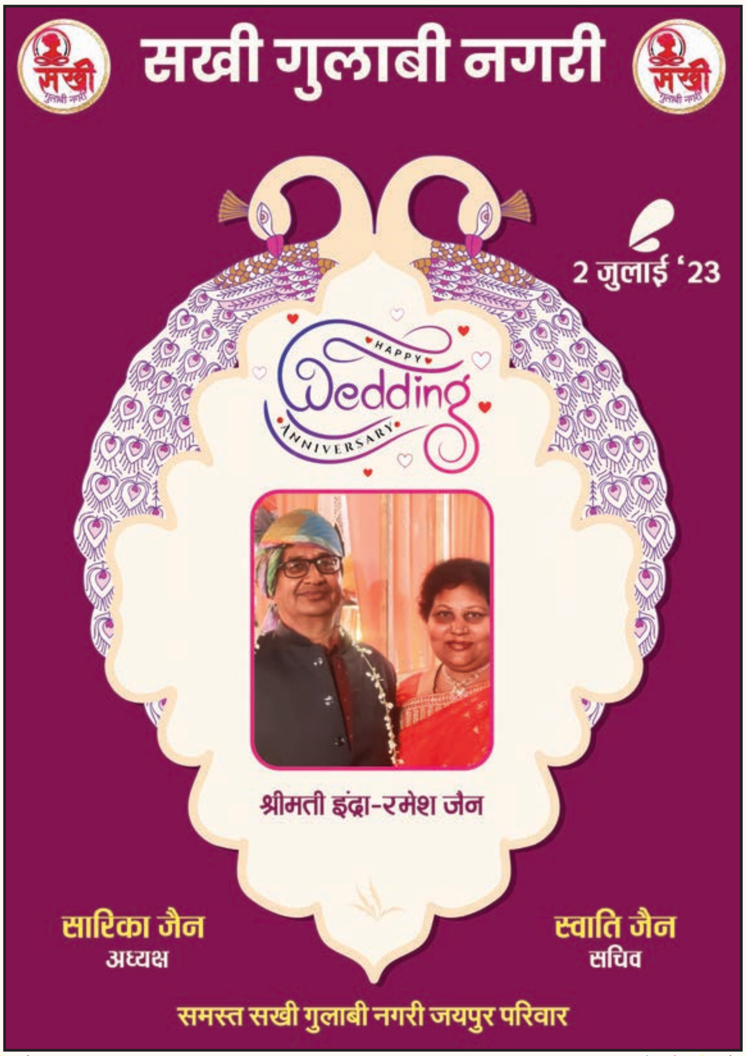

जेके मसाले को बेस्ट स्पाइसेस एंड फूड प्रोडक्ट्स पुरस्कार से नवाजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। 1957 से देश की प्रतिष्ठित मसाला निर्माता कंपनी जेके मसाले को बेस्ट स्पाइसेज एंड फूड प्रोडक्ट्स पुरस्कार से नवाजा गया। कंपनी की निदेशक स्नेहलता जैन व विकास जैन को यह पुरस्कार टोंक रोड, आश्रम मार्ग स्थित होटल मैरियट में आयोजित इंडो इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड समारोह में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री और उद्यमी शिल्पा शेट्टी ने प्रदान किया। इस मौके पर सिने तारिका शिल्पा शेठी ने जेके मसाले कंपनी को पुरस्कार प्रदान करते हुए बहुत गर्व महसूस किया। उल्लेखनीय है कि मसाला क्षेत्र में जेके मसाले ने गुणवत्ता और प्रामाणिक जायके के मामले में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। मसालों और खाद्य उत्पादों की अपनी उत्कृष्ट रेंज गुणवत्ता के चलते कंपनी ने राष्ट्रव्यापी उपभोक्ताओं के दिलों पर स्वाद के मामले में अनूठी छाप छोड़ी है। जेके मसाले की सफलता, परंपरा और नवीनता के बीच एक सही संतुलन बनाने की उनकी क्षमता हमेशा रही है। पुराने व्यंजनों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर, कंपनी ने मसाला उद्योग में नए मानदंड स्थापित किए हैं। उपभोक्ताओं को बेहतरीन स्वाद और गुणवत्ता के उच्चतम मानक प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता शीर्ष तक उनकी यात्रा में सहायक रही है।

नेट थिएट पर लोक भवाई का रंग जमा

पुखराज की लोक भवाई ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज अंतरराष्ट्रीय स्तर के भवाई कलाकार पुखराज राणा ने अपने सुंदर प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार पुखराज ने अपने सिर पर गिलास के ऊपर गिलास रखकर उस पर पानी से भरा घड़ा रखा और राजस्थानी लोकगीतों पर लोक भवाई का प्रदर्शन कर राजस्थान की संस्कृति की छटा बिखेरी। उन्होंने राजस्थान का सुप्रसिद्ध लोकगीत सागर पानी भरवा जाऊ सा, बिंजारो सुवटियो और ओलु थारी आवे सा गीतों पर तलवार और किलो पर लोक भवाई का शानदार प्रदर्शन किया उसके बाद उन्होंने बोतल के ऊपर पानी से भरे घड़े को रखा और राजस्थान की संस्कृति पर आधारित लोकगीतों की लड़ी पर अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी' इनके साथ मुकेश राणा ने सहयोगी कलाकार के रूप में अपना प्रदर्शन दिखाया। कार्यक्रम संयोजक गुलाम फरीद कैमरा और लाइट मनोज स्वामी संगीत सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जितेश शर्मा की रही ।

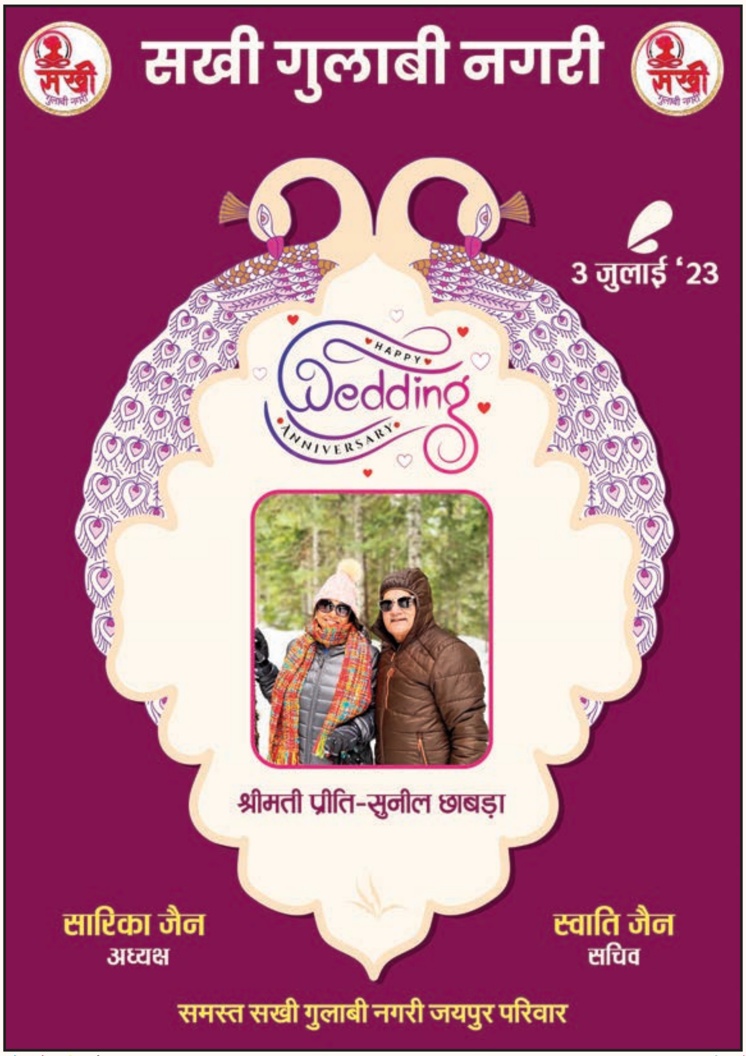

वेद ज्ञान

सच्चे मन से प्रसन्नता

आत्मा का स्वरूप ही आनंद का बोध कराता है। जिस मनुष्य को आत्मबोध हो जाता है, वह सदैव प्रसन्न रहता है। जो प्रसन्न नहीं रहता वह न आत्मा को समझता है और न ईश्वर को। शोकग्रस्त, उद्विग्न व विक्षुब्ध मनुष्य तो अनात्म तत्वों के बहाने मात्र हैं। जो क्रोधमुक्त होकर झल्लाते हैं, जिसे आवेश या खीझ का शिकार होना पड़ता है, ऐसे मनुष्यों की आस्तिकता संदिग्ध रहती है। मनुष्य को आत्मबोध करना आवश्यक है, उसे कठिनाइयों से घबराना नहीं, प्रेम करना चाहिए। उनको जीवनरूपी विद्यालय का आदरणीय अध्यापक समझना चाहिए। कठिनाइयों की शिक्षा से ही मनुष्य का बद्धि कौशल विकसित होकर ज्ञान-विज्ञान की इस सीमा तक पहुंचा है, यदि मानव जीवन में आपत्तियां, कठिनाइयां न होंतो मानव जीवन नितांत निष्क्रिय और निरुत्साहपूर्ण बनकर रह जाएगा। इसलिए प्रसन्नता से जीवन को सुखमय बनाना चाहिए। यह भौतिक संसार सर्वत्र प्रसन्नता के लिए ही उपजाया गया है। जो बुरा व अशुभ है, वह हमारी प्रखरता के लिए एक चुनौती है। परीक्षा में प्रश्न-पत्र को देखकर विद्यार्थी रोने लगे तो उसे अध्ययन-मननशील नहीं माना जा सकता। जिस मनुष्य ने जरा-सी कठिनाई या प्रतिकूलता पर विलाप शुरू कर दिया, उसकी आध्यात्मिकता पर कौन विश्वास कर सकता है? प्रतिकूलता हमारे साहस बढ़ाने, धैर्य को मजबूत करने और सामर्थ्य को विकसित करने आती है। यदि जीवन भली प्रकार संयत हो सके तो वह सबसे भद्दे तरीके का होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जो सरलतापूर्वक गुजर रहा है उसमें न तो किसी तरह की विशेषता रह जाती है और न कोई प्रतिभा। संघर्ष के बिना भी भला नहीं, क्या विश्व में किसी का ऐसा जीवन संभव हो सका है। इसलिए संकटों को जीवन-विकास का एक अनिवार्य उपाय मानकर मनुष्य को उनका स्वागत करना चाहिए, उनको चुनौती स्वीकार करना चाहिए और एक आपत्ति को दस कष्ट सहकर भी दूर करते रहना चाहिए। यही पुरुषार्थ और मनुष्यता है। इसे प्रसन्नता से सफलता की ओर उन्नति का उपाय स्वीकार करना श्रेयस्कर है।

संपादकीय

जीएसटी के बाद तीन लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी लागू करते समय करों की चोरी रोकने को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जीएसटी पंजीकरण का ढांचा इस तरह तैयार किया गया कि कोई भी व्यापारी करों की चोरी कर ही न पाए। मगर जीएसटी को लागू हुए छह साल हो जाने के बाद आकलन है कि इस दौरान जीएसटी में करीब तीन लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की जा चुकी है। इसमें से एक लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी अकेले पिछले वित्तवर्ष में की गई। यानी जीएसटी चोरी की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती गई है। हालांकि जीएसटी संग्रह पर लगातार पैनी नजर रखी जाती है और विभिन्न राज्यों से धोखाधड़ी करने वालों को गिरफ्तार भी किया जाता रहा है। मगर इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग पाई है। इसके मद्देनजर अब जीएसटी संग्रह प्रणाली में कृत्रिम मेधा के उपयोग की सलाह दी जा रही है, जिसके जरिए जीएसटी दावों की तुलना करके धोखाधड़ी को आसानी से पकड़ा जा सके। हालांकि जीएसटी संग्रह को लेकर मुस्तैदी

बरते जाने का नतीजा है कि इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। अब जीएसटी संग्रह करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए मासिक तक पहुंच गया है। अगर इस दिशा में और मुस्तैदी बरती जाए तो जीएसटी संग्रह और बढ़ सकता है। दरअसल, जीएसटी लागू करने के पीछे मकसद था कि इससे व्यापारियों को अलग-अलग करों के भुगतान से मुक्ति मिलेगी। इस तरह उत्पादन लागत कम होगी और उसका सीधा फायदा अंतिम उपभोक्ता को मिलेगा। कई देशों में वस्तुओं पर लगने वाले करों का यही ढांचा लागू है। हालांकि शुरूआती वर्षों में जीएसटी निर्धारण को लेकर कुछ हड़बड़ी देखी गई थी, जिसके चलते जीएसटी परिषद को बार-बार वस्तुओं पर करों के निर्धारण को लेकर बैठकें बुलानी पड़ी थीं। शुरू में सैद्धांतिक संकल्प लिया गया था कि जीएसटी की दर किसी भी वस्तु पर अठारह फीसद से अधिक नहीं रखी जाएगी और आगे के वर्षों में इन दरों में कटौती की जाती रहेगी। मगर शुरूआती वर्षों में कई वस्तुओं पर यह पच्चीस फीसद तक रखी गई थी। बाद में उन्हें घटा कर कम किया गया। मगर अब भी अठारह फीसद की दर के लक्ष्य का पालन नहीं किया जा पा रहा है। इस तरह बहुत सारे व्यापारियों के लिए जीएसटी की दरें अधिक जान पड़ती हैं। इसलिए भी वे धोखाधड़ी का रास्ता अपनाते देखे जाते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत छोटे व्यापारियों के सामने पैदा हुई, क्योंकि उन्हें जीएसटी भुगतान के तौर-तरीके नहीं पता हैं। इसके लिए उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद लेनी पड़ती है। यह उनके लिए हर महीने का अतिरिक्त खर्च है। ऐसे में बहुत सारे व्यापारियों ने कर चोरी के लिए फर्जी जीएसटी खाता खुलवाने का तरीका निकाल लिया। फर्जी कंपनियां खोल और फर्जी आधार कार्ड बनवा कर उन्होंने फर्जी जीएसटी पंजीकरण कराना शुरू किया। इस तरह खरीद-बिक्री के आंकड़ों में हेराफेरी शुरू हो गई। हालांकि जीएसटी में करों का भुगतान अंतिम उपभोक्ता और अंतिम विक्रेता से तय होता है, इसलिए विभिन्न चरणों से वस्तुओं के गुजरने को मिलान करने पर धोखाधड़ी पकड़ी जा सकती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नई बहस...

बिहार में शिक्षा विभाग की ओर से जारी एक ताजा फरमान के बाद इस महकमे के कर्मचारी अब जींस-टीशर्ट नहीं पहन पाएंगे और उन्हें कार्यालय में औपचारिक कपड़े पहन कर आना होगा। विभाग का कहना है कि जींस पैंट और टीशर्ट कार्यालय संस्कृति के खिलाफ है, इसलिए इसे पहनने पर मनाही होगी। भारतीय परिप्रेक्ष्य में इस पहनावे को लेकर आम धारणा यही रही है कि यह एक विदेशी कपड़े का अनुगमन है और इसे अनौपचारिक रूप से ही पहना जा सकता है। आमतौर पर कार्यालयों या किसी समारोह आदि में लोग कमीज-पैंट या अन्य कपड़ों को तरजीह देते रहे हैं। यही वजह है कि बिहार में शिक्षा विभाग के आदेश को लेकर कर्मचारियों या अन्य पक्ष की ओर से कोई खास आपत्ति सामने नहीं आई है। बिहार में इस तरह का आदेश कोई पहली बार नहीं आया है। इससे पहले 2019 में भी सरकार ने राज्य सचिवालय में सभी कर्मचारियों के जींस और टीशर्ट पहनने पर पाबंदी लगा दी थी और उन्हें साधारण, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनकर दफ्तर आने को कहा था। तब इसे लेकर कहा गया था कि इसका मकसद कार्यालय की मर्यादा बरकरार रखना है। किसी विभाग में कर्मचारियों के लिए कोई खास नियम तय करना उसके अपने अधिकार क्षेत्र में है और पहनावे को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। लेकिन यह कैसे तय किया जाएगा कि कार्यालय संस्कृति के मुताबिक औपचारिक परिधान में आने वाला कोई कर्मचारी जींस पैंट या टीशर्ट पहनने वाले किसी व्यक्ति से ज्यादा सक्षम, जिम्मेदार और अपने दायित्वों के प्रति सजग है! हालांकि बिहार के शिक्षा विभाग के आदेश में फिलहाल इसे किसी ड्रेस कोड या एकरूप परिधान के आदेश की तरह नहीं देखा जा रहा है, क्योंकि इसमें कोई खास पहनावा तय नहीं किया गया है। लेकिन एक बार फिर ऐसे फरमान के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं और उसके औचित्य पर बात हो रही है। विशेष रूप से जींस पैंट और टीशर्ट पहनने पर पाबंदी के बाद यह सवाल उठा है कि किसी पहनावे को किन आधारों पर औपचारिक या अनौपचारिक घोषित किया जाता है। किसी भी देशकाल में पहनावा एक ऐसा पहलू रहा है, जो वक्त और जरूरत के साथ बदलता रहा है और अलग-अलग संस्कृतियों में लोग इसे सुविधा, सहजता, पसंद, उपयोगिता, उपलब्धता आदि के लिहाज से अपनाते हैं या फिर उसके प्रति आकर्षित नहीं होते हैं। जींस और टीशर्ट कोई इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। जबकि पश्चिमी देशों में यह एक आम और सहज पहनावा है और अब यह हमारे देश में भी चलन में आ चुका है। इसे बहुत सारे लोग औपचारिक या अनौपचारिक अवसरों पर पहनते हैं। लेकिन कुछ लोगों के भीतर इसके प्रति एक विचित्र आग्रह पाया जाता है। हमारे यहां खासतौर पर महिलाओं के लिए इस परिधान को स्वाभाविक नहीं माना जाता है और आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि किसी गांव, पंचायत या समुदाय की ओर से लड़कियों के जींस पहनने पर पाबंदी लगा दी गई। ऐसे फरमान के पीछे एक संकीर्ण नजरिया होता है, जिसमें किसी पहनावे को लेकर नकारात्मक और कुंठा को दशार्ने वाले पूर्वाग्रह शामिल होते हैं। कई बार संस्कृति से जोड़ते हुए किसी खास पहनावे की वकालत की जाने लगती है। यह संभव है कि किसी पहनावे को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हों, लेकिन जहां तक कार्यालय संस्कृति का सवाल है तो यह समझना मुश्किल है कि कामकाज में गुणवत्ता, समयबद्धता, दायित्वों के निर्वहन और तत्परता से तय होती है या फिर किसी परिधान से!

रोटरी वर्ष 2023-24 की शुरुआत वृक्षारोपण से की

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने अपने नये रोटरी वर्ष की शुरूआत आज फ्वलर प्रांगण में वृक्षारोपण कर की। क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल ने बताया की क्लब द्वारा मियावाकी तकनीक से पोधारोपण किया गया। क्लब पिछले तीन वर्षो से मियावकी तकनीक से विभिन्न स्थानों पर पौधे लगा रहा है । कार्यकर्म के मुख्य संयोजक प्रमोद जैन ने बताया की मियावकी तकनीक से क्लब ने आज करीब 800 पौधे लगाये तथा इनकी देखभाल की जिम्मदारि भी ली है। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया की समारोह के मुख्य अतिथि फ्वलर के प्रिंसिपल डॉ विनोद जोशी और विशिष्ट अथिति अधीक्षक डॉ अजीत सिंह थे। डॉ विनोद जोशी ने सिटीजन क्लब का आभार व्यक्त किया और कहा कि आज डॉक्टर्स डे के अवसर पर इस पुनीत कार्य को फ्वलर परिसर में किया । सचिव कमल बडजात्या ने सभी का धन्यवाद दिया।

कनाडिया रोड तिलक नगर के नये जैन मंदिर में हो रहा है सिद्ध चक्र मंडल विधान

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन धर्मावलंबी सारे देश में दिनांक 26 जून से आठ दिवसीय अष्टानिका पर्व मना रहे हैं, इसके अंतर्गत अधिकांश मंदिरों में आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान, नंदीश्वर विधान आदि धार्मिक अनुष्ठान उमंग उल्लास और भक्ति भाव से किए जाते हैं। इस उपलक्ष में कनाडिया रोड स्थित श्री दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय (नया जैन मंदिर) मे भी 26 जून से चावल की रंगीन चूरी से मंडल जी की रचना कर पुण्य वर्धक श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान चल रहा ।जिसमें विधान के मुख्य पात्र सौ धर्म इंद्र इंद्राणी आनंद पारुल पहाड़िया, कुबेर महावीर आरती जैन, यज्ञ नायक सत्येंद्र सपना जैन एवं ईशान इंद्र हितेश सारिका जैन के साथ विधान में बैठे लगभग 50 से अधिक जैन परिवार के सदस्य विधानाचार्य भरत शास्त्री एवं बबीता दीदी के निर्देशन में सिद्ध भगवान की भक्ति, आराधना उमंग और उत्साह के साथ कर रहे हैं। विधान के अंतर्गत प्रतिदिन बढ़ते क्रम से मंडल जी पर 8-16-32 इस प्रकार आठवें दिन 1024 अर्घ सिद्ध भगवान को समर्पित किए जाते हैं। 4 जून को विश्व शांति महायज्ञ के साथ विधान का समापन होगा।चावल की चूरी से निर्मित सुदर्शनीय मंडलजी की रचना सुरेश काका, पवन मोदी, वीरेंद्र पप्पन, पवन शाह एवं निर्भय पहाड़िया, अरविंद सर ने की।

सिद्धचक्र विधान और उसका महत्व

जो संसार से मुक्त हो गए और जिन्होंने अपने कर्मों का क्षय कर सिद्धत्व को प्राप्त कर वर्तमान में सिद्ध शिला पर विराजमान हो गए वे हमारे आराध्य सिद्ध भगवान हैं। सिद्ध चक्र मंडल विधान के माध्यम से श्रावक सिद्धों की भक्ति, आराधना कर पुण्यार्जन करता है। सिद्ध चक्र मंडल विधान को सभी विधानों का राजा कहा जाता है क्योंकि इस एक विधान में मुनिराजों एवं सिद्धों का गुणानुवाद के अलावा शांति विधान, पंच परमेष्ठी विधान, सहस्त्रनाम विधान भी समाहित है। वर्ष में 3 बार आने वाले अष्टानिका पर्व मैं अधिकांश मंदिरों में चावल की रंगीन चूरी से मंडल जी की रचना कर 8 दिन में कुल 1024 अर्घ्य चढ़ाते जाते हैं। 18-19वीं शताब्दी में भट्टारक सुभाष चंद्र स्वामी द्वारा संस्कृत भाषा में इस विधान की रचना की गई थी और 1934 वीं ईस्वी में सहारनपुर निवासी पंडित एवं कवि संतलाल द्वारा इस विधान का हिंदी रूपांतरण कर जन सामान्य के लिए सुलभ करा दिया।

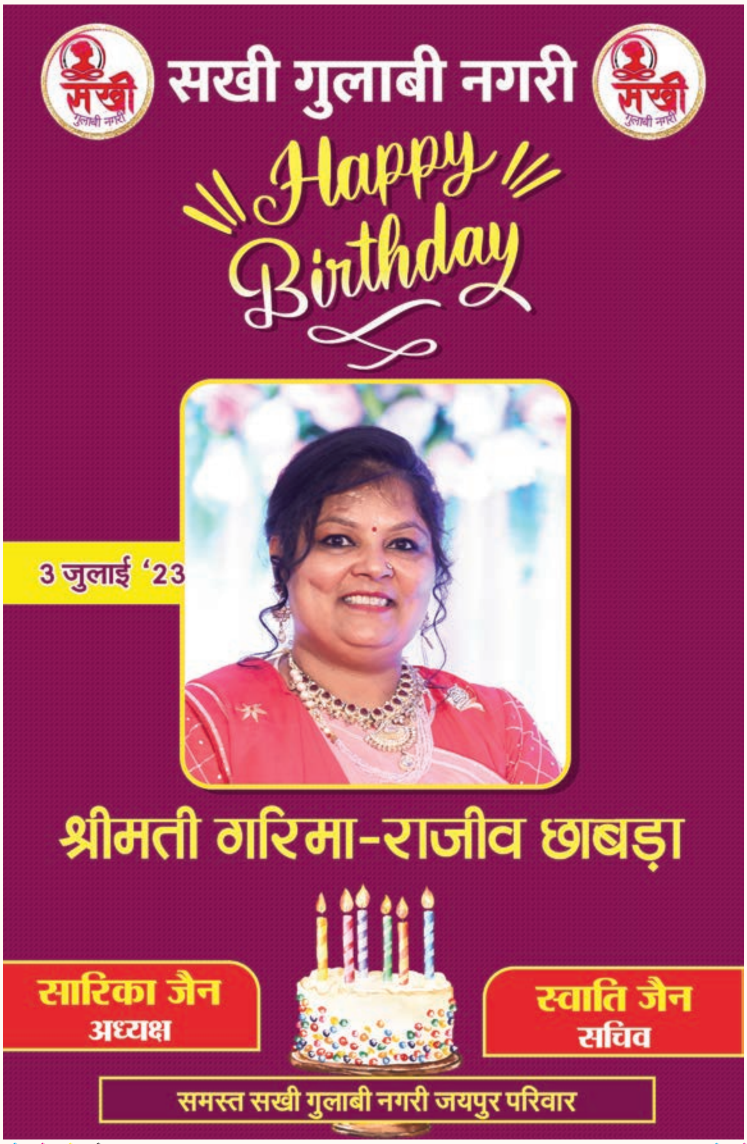

मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान
आचार्य श्री 108
निर्मल सागर जी महाराज
परम पूज्य गणिनी
आ. श्री 105 विशुद्धमति माताजी
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, जनकपुरी - ज्योति नगर, इमली फाटक, जयपुर
परम पू. बा. ब्र. सम्यक ज्ञान शिरोमणी, भारत गौरव, सर्वाधिक दीक्षा प्रदात्री
गणिनी आर्यिका श्री 105 विशुद्ध मति माताजी की सुयोग्य शिष्या
परम पू. आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी ससंघ का
15 वाँ
पावन वर्षायोग 2023
मंगल प्रवेश
गुरु पूर्णिमा
03/07/2023
प्रात: 8.15 बजे
मंगल कलश स्थापना
वीर शासन जयंती
04/07/2023
प्रात: 7.30 बजे से
धर्म स्नेही महानुभावो,
कई वर्षों के पुण्य जब फलित होता है तो चातुर्मास का पुण्ययोग बनता है इसी प्रबल पुण्ययोग की कडी में परम पूज्या सर्वाधिक दीक्षा प्रदात्री गणिनी आर्यिका 105 श्री विशुद्धमति माताजी की सुशिष्या परम पूज्या आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी ससंघ का पावन वर्षायोग प्रथम बार धर्म परायण नगरी जयपुर राजस्थान में हो रहा है ।अत: इस वर्षायोग में आयोजित प्रत्येक पावन फुव्वारो मे सहभागी बनकर पुण्य का अर्जन करें एवं वर्षायोग को सफल बनाने में अपना योगदान प्रदान करें ।
दैनिक कार्यक्रम
प्रात: 6.50 बजे : शान्तिधारा
प्रात: 8.00 बजे : शास्त्र चर्चा
प्रात: 10.00 बजे : आहार चर्या
दोपहर 3.00 बजे : स्वाध्याय
सायं 6.00 बजे : प्रतिक्रमण
सायं 7.30 बजे : आनन्द यात्रा, गुरु भक्ति, वैयावृती
ब्र. प्रेम दीदी
ब्र. सविता दीदी
परम पूज्य आर्यिका श्री 105
विशेषमति माता जी
आयोजक
प्रबन्ध समिति – श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी, ज्योति नगर, जयपुर
महिला मंडल – जैन युवा मंच
निवेदक – सकल दिगम्बर जैन समाज, जनकपुरी – ज्योति नगर, जयपुर
सम्पर्क :– 9314024888, 9829548868, 9829813831

अमिताभ के डुप्लीकेट शार्ट फिल्म 'मां की सौगंध' में नजर आएंगे

युवाओं में बढ़ती नशे की लत पर आधारित है फिल्म

उदयपुर. शाबाश इंडिया। युवाओं में बढ़ती नशे की लत और उस पर अंकुश लगाने का उद्देश्य लिए दिग्गज प्रोडक्शन्स अपनी आगामी शॉर्ट फिल्म 'माँ की सौगंध' का निर्माण करने जा रही है। इसके लिए लगभग सभी कलाकारों का चयन हो चुका है। गौरतलब है कि इसमें एक प्रमुख किरदार में अमिताभ बच्चन के डुप्लीकेट भी नजर आएंगे। फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक जोशी ने रविवार को हिरण मगरी स्थित होटल कैंडल वुड सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि आगामी दो महीने में इसकी शूटिंग पूरी कर रिलीज करने की योजना है। फिल्म की स्टोरी बांसवाड़ा के हिमांशु भट्ट ने लिखी है। डीओपी यश पण्डियार और राकेश सोनी तथा म्यूजिक शाहनवाज खान का रहेगा। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में उदयपुर के अलावा जयपुर, चित्तौड़गढ़, खेरवाड़ा और राजसमंद के युवा अभिनय और तकनीकी सहयोग कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्माण में आरोग्य सेवा संस्थान नशा मुक्ति केंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि इस शहर के नैसर्गिक सौंदर्य को फिल्माने, एड फिल्म और आजकल वेब सीरीज बनाने के लिए तो देश दुनिया से कई लोग आते हैं लेकिन अधिकांश अपने साथ स्टार कास्ट लेकर ही आते हैं, इस कारण स्थानीय प्रतिभाओं को मंच नहीं मिलता है। बस, इसी सोच को साथ लेकर नई पीढ़ी के दम पर एडवांस तकनीक के साथ फिल्म निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म से महज पैसा कमाना उद्देश्य कतई नहीं है बस, युवाओं को ईमानदार प्लेटफार्म देना, ड्रग्स माफिया से बचाना और परिवार तथा अच्छे समाज के हित में संस्कारवान बनाना चाहते हैं। बता दें, इस फिल्म में मुकुल जैन, महेंद्र दमानी, कृष्णा नगारची, रमेश नागदा, दक्ष सियाल, नरेश चौहान, निहाल कलाल, स्नेहा शर्मा, हेमाक्षी लोहार और बाल कलाकार विवांशी सेन विविध किरदारों में नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि दिग्गज प्रोडक्शन्स ने इससे पहले पिता-पुत्र के रिश्ते पर आधारित शॉर्ट फिल्म 'साइकिल' बनाई थी, जिसे मिले 13 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के साथ निमार्ता अभिषेक जोशी को इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड से भी नवाजा गया था। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सांगानेर बार एसोसिएशन की नई पहल

अब बिटिया की शादी पर भी मिलेंगे 51000

वेलफेयर फण्ड सोसाइटी ने शुरू की अधिवक्ता कन्या समृद्धि योजना। सदस्य की मृत्यु पर दो लाख व जीवन साथी की मृत्यु पर मिलती है 50000 रुपये संबल राशि।

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर बार एसोसिएशन अधिवक्ता कल्याण के लिए नई नई योजनाएं बना कर वकीलों को लाभान्वित कर रही है। एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ता की बेटी की शादी के लिए कन्या समृद्धि योजना शुरू की है। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि सांगानेर बार एसोसिएशन वेलफेयर फण्ड समिती द्वारा अधिवक्ता की बिटिया की शादी के लिए योजना शुरू की है जिसमे शादी पर 51000 रुपये की राशि दी जाएगी। बार एसोसिएशन द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की तर्ज पर हमारी बेटी हमारा अभिमान के ध्येय के साथ यह योजना शुरू की है जिससे सदस्य अधिवक्ताओं को आर्थिक सम्बल मिलेगा। योजना के लिए बार एसोसिएशन में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। ऐसी योजना शुरू करने वाली सांगानेर प्रदेश व देश की इकलौती बार है। वेलफेयर सोसायटी सदस्य विजय मामनानी, जेपी शर्मा, वीरेंद्र गुर्जर, लोकेश कंबाल, जितेंद्र सिंह सैनी, रोशन लाल बैरवा, श्योजीराम शर्मा व बुद्धिप्रकाश शर्मा ने बार कार्यकारिणी व अन्य अधिवक्ताओं के साथ योजना के पोस्टर का अनावरण किया।

बार ने पहले भी की है अभिनव पहल: बार महासचिव नेमिचंद सामरिया ने बताया कि सांगानेर बार एसोसिएशन द्वारा पहले भी अधिवक्ता कल्याण के लिए अभिनव पहल की है। पिछले दो वर्षों से धनतेरस पर सदस्य अधिवक्ताओं को चांदी के सिक्के वितरित किये गए हैं। पिछले वर्ष बार एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ता जीवन साथी संबल योजना शुरू की गई है जिसमे सदस्य अधिवक्ता के जीवन साथी की मृत्यु होने पर वेलफेयर समिति द्वारा 50000 रुपये की संबल राशि प्रदान की जाती है। कोरोना में भी बार द्वारा कोरोना संक्रमित अधिवक्ताओं को अविलंब अंतरिम सहायता प्रदान की गई थी। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि कोरोना महामारी के समय बार ने वरिष्ठ अधिवक्ता हुकमचंद पारीक, श्रीप्रकाश तिवाड़ी, रामजीलाल चौधरी, अश्वनी कुमार मिश्रा, जेपी शर्मा, अरुण गोयल व मुकेश मीणा के सहयोग से कोरोना फण्ड का निर्माण कर अन्य अधिवक्ताओं के सहयोग से कोरोना संक्रमित अधिवक्ताओं को बिना इंतजार किये अविलंब मदद की गई। सदस्य की मृत्यु पर मिलते है 200000 रुपये। बार फण्ड के सदस्य अधिवक्ता की मृत्यु होने पर समिति द्वारा दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। फण्ड स्थापना के समय यह राशि 50000 रुपये थी जो अब बढ़कर 200000 रुपये हो गयी है।

<u>वर्ष 2011 में हुई थी वेलफेयर फण्ड की स्थापना:</u> बार कोषाध्यक्ष संजय खींची ने बताया कि सांगानेर बार एसोसिएशन द्वारा 2 मार्च 2011 को हइकोर्ट के तत्कालीन न्यायाधिपति आर एस चौहान के कर कमलों से वेलफेयर फण्ड की स्थापना की गई थी। सदस्य अधिवक्ताओं द्वारा 10 रुपये के टिकिट से इसकी शुरूआत की गई थी आज बार के वेलफेयर फण्ड में करीब 42 लाख रुपये की राशि जमा है।

<u>अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन बनाने के लिए होंगे प्रयास:</u>बार व वेलफेयर कमेटी राज्य सरकार से जमीन प्राप्त कर उसमें अधिवक्ताओं के कम्युनिटी सेंटर बनाने के लिए प्रयासरत है। जिससे अधिवक्ताओं को अपने पुत्र पुत्री की शादी व अन्य आयोजनों के लिए प्राथमिकता से निशुल्क जगह मिल सकेगी। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमिचंद सामरिया ने बताया कि सांगानेर बार आम अधिवक्ता के कल्याण के लिए संकल्पित है इसलिए उनको इसका प्रत्येक्ष लाभ मिले इसके प्रयास कर उन्हें लाभ पहुंचाया है।

नई पीढ़ी को निर्माण संस्कार देना जरूरी : मंत्री

अध्यक्षीय अवार्ड समारोह संपन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर वेस्ट का अध्यक्षीय अवार्ड समारोह वैशालीनगर स्थित होटल मानसिंह में क्लब अध्यक्ष अमितप्रभा शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि इस अवसर क्लब का 42 वा स्थापना दिवस केक काटकर मनाया ।साथ ही चार्टर सदस्यो लायन ओ पी केवलरमनी, लायन ओ एल दवे का माला पहना कर, शाल ओढ़ाकर, मोमेंटो प्रदान कर स्वागत किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपप्रांतपाल लायन श्यामसुंदर मंत्री ने कहा कि आज की नई पीढ़ी के लिए संस्कार निर्माण पर ध्यान देना चाहिए । हम अपने पुराने संस्कार भूलते जा रहे हैं, इससे हमारा जीवन स्तर पर प्रभाव पड़ता हैं । बडो का सम्मान, आदर, हमारी परम्पराये, दुख सुख में शामिल होना, संयुक्त परिवार आदि आधुनिकता की सोच में खो गए । इन्हे पुनः हासिल करना होगा । क्लब सचिव लायन प्रदीप बंसल ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालन लायन आभा वाष्णेर्य ने किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रांतपाल लायन सतीश बंसल, उपप्रांतपाल निर्वाचित लायन रामकिशोर गर्ग, लायन श्याम सुंदर सैनी, क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन वी के पाठक, लायन अंशु बंसल, केबिनेट मेंबर, विभिन्न क्लब के अध्यक्ष ,सचिव ,कोषाध्यक्ष, पदाधिकारी, सदस्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे । आभार कोषाध्यक्ष लायन आर के शर्मा ने व्यक्त किया ।इस वर्ष लायंस क्लब अजमेर के सेवा कार्यों में अग्रणी रहने वाले सदस्यों, पदाधिकारियो, सहयोगियों को विभिन्न सेवा गतिविधियों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए क्लब अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया ।लायन हेमंत अग्रवाल को लायन ऑफ द ईयर का अवार्ड प्रदान किया गया।इस अवसर पर लायन वीना उप्पल, लायन सोमरत्न आर्य, लायन मोतीलाल माथुर, लायन अनिल आसनानी, लायन आर पी शर्मा, लायन रियाज मंसूरी, लायन संदीप त्रिवेदी, लायन हेमंत गुप्ता, लायन आभा गांधी, लायन अमिता शर्मा, लायन लोकेश अग्रवाल, लायन सरदार मोंगा, लायन दिनेश शर्मा सहित अन्य मौजूद थे ।

लायनेस्टीक ईयर 2023- 24 का शुभारंभ मिष्ठान के वितरण के साथ किया गया

अनिल पाटनी। शाबाश इंडिया।

अजमेर। विश्व में पीड़ित एवम जरूरतमंदो की सेवा में अग्रणी संस्था लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा लायनेस्टीक वर्ष 2023- 24 के प्रथम दिन दिनांक 1 जुलाई 2023 को प्रातः10 बजे समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवम लायन अतुल पाटनी के सहयोग से राम प्रसाद घाट पर भिक्षुओं,घाटी वाला बालाजी मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं के अलावा अन्य राहगीरों को मिष्ठान (मोतीचूर के लड्डू) का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक लायन अनिल चौरडिया ने बताया कि क्रमबद्ध तरीके से सम्मान के साथ दो सौ व्यक्तियो के मध्य मिष्ठान का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन अनिल छाजेड़ ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि इस अवसर पर कोषाध्यक्ष संजय जैन,शशि जैन ने सेवा सहयोग किया।

पीड़ित मानव सेवा में अग्रणी डॉक्टर का सम्मान कर किया अभिनंदन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था ने 9 डॉक्टर एवम 6 सी ए का किया सम्मान। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा डॉक्टर्स एवम चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के अवसर पर पीड़ित मानव सेवा में अग्रणी नो डॉक्टर्स का पुष्कर रोड स्थित पारस यूरोलॉजी हॉस्पिटल में तिलक लगाकर,माल्यार्पण करके, श्रीफल भेंट करते हुए स्मृति चिन्ह के साथ लायंस प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष अनिल छाजेड़ ने बताया कि क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन मुकेश कर्णावट के संयोजन में वरिष्ठ चिकित्सक स्नेहलता मिश्रा, जे सी वेद,शैलेंद्र पांडे,तरुण सक्सेना, डॉक्टर राजकुमार खासगीवाला, मीनल खासगीवाला, नीरजा,धीरज डागा एवम अचला आर्य का स्वागत किया एवम उनके विचार जाने। कोषाध्यक्ष लायन संजय जैन ने बताया कि इस अवसर अजमेर शहर के चार्टर्ड एकाउंटेंट सुरेंद्र सोमानी,मुकेश चौधरी,पुनीत बोहरा,गरिमा जैन,सिद्धार्थ पोखरना एवम रक्षित जैन का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष लायन लोकेश अग्रवाल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन,लायन संपत सिंह जैन,निवर्तमान अध्यक्ष घेवरचंद नाहर,पूर्व अध्यक्ष लायन महेंद्र जैन,लायन संदीप गोयल,लायन रूपेश राठी,लायन प्रकाश कांटेड,लायन महेंद्र दोषी,लायन अनिल चौरडिया,लायन शशि जैन आदि मोजूद रहे।

चीनी की मिठास छोड़के जीत की मिठास को चखा

जयपुर रनर डॉक्टर साधना आर्या, सुरेन्द तालेरा, अभिषेक मित्तल और अमित भसीन बने आयरनमेन

जयपुर. शाबाश इंडिया

तीन महीने चीनी नहीं खाई अपने आपको कंट्रोल रखा , ट्रेनिंग में कोताही नहीं की , लेट नाईट पार्टी को अवोइड किया और नेवर गिव अप मोटो के साथ आयरन मैन में भाग लिया ये बात कही आज जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर साधना आर्या के साथ सुरेन्द तालेरा , अभिषेक मित्तल और अमित भसीन का आयरन मैन पूरी करके आने पर आज जयपुर रनर्स द्वारा किए गए स्वागत समारोह में जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया की जयपुर में आज डॉक्टर साधना आर्य , सुरेन्द तालेरा , अभिषेक मित्तल और अमित भसीन का जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर मुकेश मिश्रा, रवि गोयनका, सचिव राजेश चौधरी, नितिन गुप्ता, निपुन वाधवा, डायरेक्टर विष्णु टाँक, रचना विजय, कमल कट्टा, सुधा खंडेलवाल, पूनम गर्ग, अनीता जानू, रूपेन्द्र गुप्ता, ज्योति अंकिता ने सम्मान किया। डॉक्टर साधना आर्य जिन्होंने 59 वर्ष की उम्र में आयरन मैन को पूरा किया है ने अपनी कहानी शेयर करते हुए बताया की उन्होंने अपनी पहली हाफ मैराथन जयपुर मैराथन में की थी तब लोग कहते थे तुम्हारे घुटने खराब हो जाएँगे इस उम्र में दौड़ोगी तो लेकिन में दौड़ती रही और लोगो को गलत साबित करती रही और दूसरी बार आयरनमेन टाइटल जीता, उन्होंने कहा की ग्रुप के लगातार मोटिवेशन से उन्हें ये टाइटल जीतने में बेहद हेल्प मिली।

महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा सेवा सप्ताह की शुरूआत गौसेवा से की गई

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबकी सेवा सबको प्यार के उद्देश्य से संचालित सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था महावीर इंटरनेशनल की युवा शाखा द्वारा आज सामरिया सागर गौशाला में गौमाता को हरा चारा खिलाकर सेवा सप्ताह की शुरूआत की गई। महेंद्र कुमार विशाल पारस पहाड़िया परिवार के द्वारा एक ट्रॉली हरे चारे एवम गौ माता हेतु पानी के टैंकर को व्यवस्था की गई। संस्था के जोन कोषाध्यक्ष सुभाष पहाड़िया ने बताया की इस दौरान रामावतार गोयल, अजीत पारस नेहा एकता शुभम पहाड़िया, राहुल आशीष ऋषभ झांझरी, विशाल राखी पाटौदी, गौरव खुशबू पाटनी, आनंद आशा सेठी, शुभम विशाल सोनम काला, संदीप सोनू पांड्या, मनीष सविता अजमेरा, प्रवीण खुशबू प्रियांशु तनिषा डोसी, संपत बगड़िया उपस्थित रहे।

महिला जैन मिलन ने चिकित्सकों को सम्मानित किया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। महिला जैन मिलन ने चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में डॉक्टर्स को सम्मानित किया। अध्यक्ष दीप्ति जैन कांसल के कहा कि चिकित्सक बिना रुके बिना थके लोगों की निस्वार्थ भावना से तत्परता से सेवा करते है,उनके पेशे को और उनके निस्वार्थ भाव को महिला जैन मिलन दिल से सलाम करती है। महिला जैन मिलन गत वर्षो से डॉक्टर दिवस मनाती आ रही है महिला जैन मिलन की वीरांगनाओं ने जैन चैरिटेबल हॉस्पिटल जाकर वहां के डॉ. प्रेम विश्वास,डॉ.नीलेश जैन ''मोनू'' एवं डॉ. केतन अरोरा को तिलक लगाकर शॉल एवं श्रीफल भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष दीप्ति जैन कांसल, कोषाध्यक्ष अंजू बांझल, क्षेत्रीय जॉन प्रभारी हर्षिता जैन, सांस्कृतिक मंत्री नम्रता बड़कुल, संरक्षक विनीता जैन, लाली जैन, योगिता जैन, मंजू टडैया, दीप्ति टडैया,भावना जैन और ज्योति जैन चौधरी आदि, ने उपस्थित रहकर सहभागिता की।

मंगलमय चातुर्मास कलश स्थापना हुई

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

बड़ौत। आज रविवार को वर्षा योग चातुर्मास कलश स्थापना समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी के सुशिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का ससंघ का चातुर्मास नगर बड़ौत उत्तर प्रदेश में सम्पन्न होने जा रहा है चातुर्मास प्रारंभ को लेकर होने वाले धार्मिक आयोजनों की श्रंखला में नगर के मान स्तंभ परिसर ऋषभ सभागार में सुबह चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन शास्त्र अर्पण मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रथम ऋषभदेव मंगल कलश समाज समिति के मंत्री श्री अतुल जैन के परिवार को व द्वितीय चन्द्रप्रभु कलश श्री धनपाल जैन बंदूक वालों के परिवार को व तृतीय महावीर स्वामी कलश श्री सुनील जैन तेल वालो के परिवार को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का परम सोभाग्य गुरु भक्त परिवार आजाद जी विकास, डॉ आगम जैन बीड़ी वाला परिवार इंदौर ने परम सोभाग्य प्राप्त किया आचार्य श्री ने अपने संबोधन में भक्तों को चातुर्मास का महत्व बताया। प्रतिष्ठाचार्य के रूप में उत्तर भारत के प्रसिद्ध विद्वान पं०डॉक्टर श्रेयांश जैन के द्वारा समस्त धार्मिक आयोजन संपन्न कराए गए। मांगलिक क्रिया पंडित कमल कुमार कमलाकुर भोपाल ने सम्पन्न करवाई। सभी नगर वासियों और दूर दराज से आए भक्तों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार था समारोह स्थल पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा ।

चातुर्मास का प्रथम दिवस संवत्सरी पर्व जैसा रहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

महाश्रमणी राजस्थान सिंहनी पूज्या गुरूमाता (माताजी म सा) महासती श्री पुष्पवती जी म सा, उपप्रवर्तनी सदगुरूवर्या डॉ राजमती जी म. सा. आदि ठाणा 7 महावीर भवन मानसरोवर मे प्रतिदिन जिनवाणी की अमृतमय गंगा बहा रहे है। महासतियां जी म सा की पावन प्रेरणा से आज 02 जुलाई को चातुर्मासिक पक्खी पर्व (चातुर्मास के प्रथम दिवस) पर श्रावक-श्राविकाओ, युवक-यवतियो मे संवत्सरी जैसा उत्साह रहा। प्रातःकाल पूज्या महासती डॉ श्री राजमती जी म सा के मुखारविंद से बडे मांगलिक का लाभ उपस्थित श्रावक श्राविकाओ ने लिया तत्पश्चात प्रखर वक्ता तप सूर्या डॉ श्री राजरश्मि जी म सा के सानिध्य मे प्रार्थना हुई। साथ ही म सा श्री ने युवक-युवतियो की धार्मिक कक्षा मे मार्मिक प्रेरणास्पद उद्बबोधन फरमाया। प्रातः 8:30 बजे से प्रवचन श्रवण का लाभ उपस्थित सभी सुश्रावक सुश्राविकाओ ने लिया। आज के चातुर्मासिक प्रारंभ के प्रथम दिवस के अवसर पर एक और हर्षोल्लास का विशेष दिन रहा आज विद्याभिलाषी तपस्वी महासती श्री राज किर्ती जी म सा का जन्म दिवस भी है।जन्म दिवस पर मानसरोवर श्री संघ की ओर से संघाध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन 'राजा' द्वारा शुभकामनाए दी एवं आप जिनशासन की महत्ती प्रभाव करते रहे ऐसी शुभ मंगल कामना की गई । म सा श्री ने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओ को चातुर्मास मे अधिक से अधिक धर्म ध्यान, तप-त्याग, सामायिक स्वाध्याय दया, संवर पौषध एवं प्रवचन श्रवण की प्रेरणा की है। आयंबिल के तेले की लड़ी, पचरंगी मे भी अधिक से अधिक नाम लिखाने की प्रेरणा की है। 05-07-2023 से पूज्या महासती जी म सा के मुखारविंद से प्रति दिन दोपहर 3 से 4 आगम शास्त्र की मूल वाचना की जायेगी। साथ ही आज सायंकालीन प्रतिक्रमण हेतु सभी को प्रेरणा की गई।

म सा श्री ने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओ को चातुर्मास मे अधिक से अधिक धर्म ध्यान, तप-त्याग, सामायिक स्वाध्याय दया, संवर पौषध एवं प्रवचन श्रवण की प्रेरणा की है।

मुनि शुद्ध सागर संघ का वर्षायोग के लिए निवाई मे भव्य मंगल प्रवेश हुआ

हम समाज देश एवं धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध रहेंगे :- शुद्ध सागर महाराज

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज का सुबह बेन्डबाजो के साथ बिचला मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला राकेश संधी ने बताया कि मुनि शुद्ध सागर रविवार को सुबह पहाड़ी चुंगी नाका पंहुचे जहां से गाजेबाजे के साथ रवाना होकर शहर में स्थित वैयरहाउस पर धर्म प्रभावना महिला मण्डल , जिन श्री महिला मण्डल , णमोकार महिला मण्डल , विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल , शांतिनाथ एवं शांतिसागर पाठशाला के बालक बालिकाओं , पारसनाथ महिला मण्डल , के द्वारा 51 रजत थालियों पर जयकारों से पादप्रक्षालन एवं आरती करके स्वागत किया कार्यक्रम के तहत सभी महिलाओं ने रंगोली सजायी। जौंला ने बताया कि मुनि श्री के जुलूस वहां से रवाना होकर बस स्टैंड होता हुआ बंपुई वालो की धर्मशाला पहुंचा जहां मुनि श्री ने भगवान चंद्र प्रभु के दर्शन किए।इस दौरान जुलूस प्रारंभ होकर बड़ा बाजार तहसील रोड पर श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पहुंचा जहां कमेटी द्वारा पादप्रक्षालन कर

स्वागत किया। इसके बाद जुलूस सब्जी मंडी बिलाला चोक होते हुए बिचला जैन मंदिर पंहुचा जहां जिनवाणी महिला मण्डल एवं चंद्र प्रभु महिला मण्डल की 108 महिलाओं ने 108 रजत थालियों मे मुनि श्री का पादप्रक्षालन कर सत्कार किया। चातुर्मास मंगल प्रवेश के जुलूस मार्ग मे श्रद्धालुओं ने जगह जगह मुनि श्री के चरण प्रक्षालन करके अगुवानी की इस दौरान सुपार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया। मुनि श्री के चातुर्मास जुलूस मे बच्चे एवं महिलाएं एवं युवा वर्ग हाथो मे जैन धर्म की ध्वज पताकाएं लेकर बेन्डबाजो की धुनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे ।जुलूस में सबसे आगे घोड़ियां नगाड़ा एवं लवाजमा के साथ जैन मुनि संध एवं समाज के हजारों लोंगो ने भाग लिया। जुलूस में णमोकार जयधोष की महिलाओं ने बेण्डवादन कर अभिनन्दन किया। जुलूस कार्यक्रम स्थल पर

पहुंचने पर चातुर्मास प्रवचन सभा आयोजित की गई जिसमें सर्व प्रथम मंगलाचरण मघु जैन खुशबू जैन एवं जिनवाणी पाठशाला के बच्चों ने नृत्य के साथ भजन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुनि श्री का पादप्रक्षालन करने का सोभाग्य राजेन्द्र कुमार कमलेश कुमार पाटनी के परिवार वालो को मिला। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य हुकमचंद पारसमल जैन को मिला। कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद पराणा एवं ज्ञानचंद सोगानी ने किया। इस दौरान जैन समाज द्वारा वर्षायोग 2023 के लिए जयकारों से श्री फल अर्ध्य चडाय़ा। इस अवसर पर मुनि शुद्ध सागर महाराज ने कहा कि आज तक हजारों युवक देश के कोने कोने से इस संगठन में सम्मिलित होकर इस बात के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हो चुके हैं कि हम समाज देश व धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध रहेंगे। हमारी भावना है कि धर्म एवं कर्म दोनों ही क्षेत्रों में समूचे विश्व का नैतिक समाज एक वात्सल्य के सूत्र में बंधकर सत्य अहिंसा मय वीतराग धर्म के केसरिया ध्वज को तीनों लोकों में फहराते हुए आत्म गुणों को संगठित करें। सन्तो के दर्शन करने से मंगल होता है मनुष्य का अनायास ही पुण्य होता है जब नगर में सन्तो का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि प्रभावना का अर्थ है पुण्य इसलिए प्रत्येक मानव सकारात्मक सोच बनायेंगे तो जीवन में उन्नति ही पायेंगें। इस अवसर पर हेमचंद संधी विमल सोगानी नवरत्न टोंग्या अमित कटारिया पवन बोहरा राजकुमार संधी सुनील भाणजा सोभागमल सोगानी मुकेश संधी त्रिलोक रजवास विष्णु बोहरा सुशील कटारिया हितेश छाबड़ा मनोज पाटनी अशोक बिलाला संजय सोगानी पदम टोंग्या पुनित संधी संजय प्रेस मूलचंद पांडया एडवोकेट रामफूल जैन अशोक भाणजा दिनेश सोगानी महावीर प्रसाद छाबड़ा यश संधी त्रिलोक जैन राजेश जौंला राजेश सांवलिया अजीत काला अतुल ठोलिया सहित अनेक लोग मौजूद थे।

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का दो दिवसीय स्थापना समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, केसर चौराहा, मुहाना मंडी का शनिवार को दो दिवसीय द्वितीय स्थापना दिवस का शुभारंभ ध्वजारोहणकर्ता धर्मश्रेष्ठी श्रीमान सतीश जी- श्रीमती सुमन जी जैन यूडीवी द्वारा किया गया । मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि रविवार को प्रातः 7:00 बजे श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा हुई व चित्र अनावरण श्रीमान भागचंद जी - रेखा जी गंगवाल द्वारा किया गया । ततपश्चात विघ्नहरण पार्श्वनाथ विधान साजो से हुआ । रात्रि में 108 दीपों से महाआरती व सांस्कृति प्रोग्राम हुआ । समिति के सचिव नरेश जैन ने बताया कि इससे पूर्व शनिवार को प्रातः घट रथ व कलश यात्रा निकाली गई जो मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर जी पहुंची ततपश्चात श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा हुई । रात्रि में 48 दीपकों से आदि एंड जैन पार्टी संगीतमय भक्तामर प्रस्तुत किया गया ।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर मण्डप पर चढ़ाया ।इस अवसर पर सुशील बाकलीवाल, संजय जैन, तरुण जैन, सतीश, भागचंद, कमलेश, नींदी जैन, जितेन्द्र व विनीत , भूपेंद्र जैन धन कुमार जैन, संजय बड़जात्या, अरुण कासलीवाल,पुखराज, तरुण, मोहित, हेमंत, मनीष बाकलीवाल, सुरेंद्र पाटनी, विनोद पाटनी, संजय सेठी, अजय जैन,सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे ।

शारदा पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल कोटखावदा में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। कस्बे की शारदा पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल वैशाली नगर, कोटखावदा में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ।कार्यक्रम में बोर्ड कक्षा 10 वीं, 12 वीं, 8वीं, और 5वीं में 75% अंक से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि प्रहलाद मीना (प्रधान पं. स. कोटखावदा) व अध्यक्ष मक्खन लाल बडगुजर (सरपंच ग्रा.पं. कोटखावदा) एवं अतिथि ओमप्रकाश शर्मा कोटखावदा व योग गुरु शंकर हरसाना रहे।कार्यक्रम में मंच का संचालन मुकुट एवं विद्यालय संचालक शेखर द्वारा किया गया।प्रधानाचार्य हरिशंकर शर्मा ने बताया कि स्कूल के 10 वीं विधार्थी रानी जीवनवाल ने 87.17 प्रतिशत,कल्पना सैनी ने 86.33,समीर जग्रवाल ने 85.83और12वीं कला वर्ग अंजली साहू ने89.20,राहुल यादव ने 83.80,मनीष गुर्जर ने 79.40, 12वीं विज्ञान वर्ग पूजा यादव ने 86.60,दिलराज सैनी ने 84.80,अक्षिता शर्मा ने 83.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इस दौरान प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

बच्चों को किया स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप मेन उदयपुर द्वारा बच्चों में स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु महिला एवं बाल विकास समिति सेक्टर छः में निवासरत बालकों को ग्रुप सदस्या श्रीमती शशि जैन द्वारा टावेल वितरित किए गए। डॉ प्रमिला जैन ने बच्चों को दैनिक जीवन में स्वच्छ व स्वस्थ कैसे रहें? के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस सेवा कार्य में ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन, शशि जैन , प्रवीण मेहता व हिम्मत जैन उपस्थित रहे।

सुनकर जिनवाणी अब करो आत्म उद्धार चौमासों आयो रे- महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा.

12 घंटे सजोड़ा नवकार मंत्र जाप एवं सामूहिक आयम्बिल के साथ चातुर्मासिक आराधना का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में श्री अरिहन्त विकास समिति के तत्वावधान में पहले चातुर्मास का विधिवत आगाज रविवार को चातुर्मासिक पक्खी से हो गया। मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा.,आगम मर्मज्ञ डॉ. श्रीचेतनाजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 6 के सानिध्य में चातुर्मासिक पक्खी पर धर्म आराधना करते हुए श्रावक-श्राविकाओं को आत्म कल्याण के लिए तप-त्याग करने का संदेश दिया गया। चातुर्मास शुभारंभ के अवसर पर श्री पूज्य महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मासिक पक्खी पर प्रतिक्रमण करते ही साधु-साध्वी आगामी पांच माह के लिए एक जगह स्थिर हो जाएंगे। चातुर्मास जप-तप-त्याग करने का समय है, जिससे जैसा भी हो आत्मशुद्धि के लिए तप-त्याग करना

चाहिए। उन्होंने सुनकर जिनवाणी अब करो आत्म उद्धार चौमासो आयो रे गीत के माध्यम से नियमित प्रवचन सुनने का संदेश दिया। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञ डॉ. चेतनाजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास का अर्थ ज्यादा से ज्यादा छोड़ना यानि तप-त्याग करना है। चातुर्मास में तप की गंगा बहानी है। इन्द्रियों व मन,वचन व काया को वश में करने का समय चातुर्मास है। प्रभुजी के नाम की माला रोज फेरनी है। चेतनाजी म.सा. ने सभी को चातुर्मासिक पक्खी के अवसर पर रात्रि भोजन नहीं करने के प्रत्याख्यान भी कराए। उन्होंने चातुर्मासिक आराधना की प्रेरणा देने वाला गीत ह्यचातुर्मासिक चतुर्दशी देखो आई आज हैह्न प्रस्तुत किया। मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हमारे लिए जितना महत्व संवत्सरी का है उतना ही महत्व चातुर्मासिक पक्खी का भी है। उन्होंने नियमित प्रवचन सुनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि 100 किताबे पढ़ने से जितना ज्ञान नहीं मिलेगा उससे अधिक ज्ञान एक घंटे नियमित प्रवचन श्रवण करने से मिलेगा। चातुर्मास आत्मकल्याण, आत्मशुद्धि के साथ आत्मा को निर्मल बनाने का अनुपम अवसर है। तत्वचिंतिका समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास आत्मचिंतन का अवसर देता है और अपने जीवन में बुराईयों व कषायों का त्याग कर पुण्यअर्जन करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए चातुर्मास की सार्थकता तभी होगी जब हम पांच माह के इस चातुर्मास से जुड़कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे एवं तप-त्याग अधिक से अधिक करने की भावना रखेंगे। धर्मसभा में नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. ने भी गीत प्रस्तुत किया।

आमेर में उर्जयंत सागर गुरुदेव के वर्षायोग कलश की स्थापना हुई

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। आज आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष में चतुर्दशी को पूज्यपाद उपाध्याय भगवंत श्री उर्जयंत सागर गुरुदेव की पवन निश्रा और जन समुदाय की उपस्थिति में वर्षा योग मंगल कलश की स्थापना हुई। उक्त जानकारी देते हुए वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक श्री रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि पूज्य गुरुवर ने मंत्रोच्चारण के साथ सिद्ध भक्ति और शांति भक्ति पढ़ते हुए वर्षा योग चतुर्मास का योग धारण किया। उन्होंने बताया कि प्रातः 9.00 बजे ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ध्वजारोहण कर्ता श्री शोभा देवी, सुनील जी ,पदम जी, सुदीप जी पंसारी परिवार जयपुर थे। पश्चात धर्म सभा हुई धर्म सभा में मंगलाचरण विधानाचार्य रमेश गंगवाल ने किया। केसरिया जी, साबलाजी से पधारे धर्म बंधुओं ने 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं आचार्य भगवंत श्री विमल सागर गुरुदेव के चित्र का अनावरण किया ।दीप प्रज्वलन कर्ता थे राजेंद्र सौरभ गौरव केडिया परिवार जयपुर। गुरुवर को छोटेलाल प्रकाशी देवी पांड्या खोरा वालों ने जिनवाणी शास्त्र भेंट कर अपने को सार्थक किया। पूजा उपाध्याय भगवंत के चरण पखारने हेतु गणेश रेनू मोहित जी राणा परिवार जयपुर उपस्थित थे। चतुर्मास कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार दौलत जैन फागी वाला ने बताया गुरुवर उर्जयंत सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि आप सभी को गुरु की तप साधना में अवगाहन करने का मौका प्राप्त हुआ है। चतुर्मास में सभी को गुरु की सेवा का समय प्राप्त होगा ।गुरु के सत्व में हमने सदैव स्नान किया लेकिन हमें तत्वों में स्नान करना होगा ,गुरुचरित्र के फूल के समीप आ जाएंगे तो जीवन सुगंधित हो जाएगा। अगर अनुभूति चाहते हैं तो गुरु चरणों में आना ही होगा गुरु का संग संयोग जीवन को बदल देता है मुनिराज ने बताया कि श्रावक दिनभर दोनों हाथों से कमाता है और एक हाथ से खाता है जबकि साधु का यह पुण्य है कि वह बिना कमायें वह दोनो हाथ आहार ग्रहण करता है। बीज छोटा सा होता है और वह वट वृक्ष के समान होजाता है ।अतः श्रावकों को आहार दान कर अपने पुण्य को वोट वृक्ष समान बनाना चाहिए। मगध विश्वविद्यालय के विद्वान प्रोफेसर श्री नलिन के शास्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि जयपुर जैन समाज को गुरु चरणों का सामिप्य प्राप्त हुआ है गुरुदेव की चर्या और ज्ञान तथा आचरण को देखते हुए यह चातुर्मास एतिहासिक हैऔर हम सभी के लिए गौरवपूर्ण क्षण हैं। पूज्य पाद उपाध्याय भगवंत तो माध्यम है हम जो भी प्रार्थना करेंगे जो भी कुछ अर्पण करेंगे,वह इनके के माध्यम से आचार्य भगवन तक पहुंचेगा, भगवान तक पहुंचेगा। मान, कभी अपमान, कभी यश, कभी अपयश अपने जीवन में लगा हुआ है। अपने भावों को शुद्ध रखिए सन्मार्ग प्राप्त होगा,परिणाम भी शुद्ध होंगे।

आचार्य सौरभ सागर महाराज ने की मंत्रोच्चारण के साथ की मंगल कलश की स्थापना

कांग्रेस नेता संजय बापना ने लिया आशीर्वाद, राजीव जैन गाजियाबाद वालों को मिला प्रथम कलश का सौभाग्य

अभिषेक जैन बिट्टू. शाबाश इंडिया

जयपुर। धर्मनगरी में दिगंबर जैन संतों के मंगल कलशों की स्थापना चातुर्मास प्रारंभ होने के साथ शुरू हो गई। रविवार को राजधानी जयपुर के दक्षिण भाग में स्थित प्रताप नगर सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने चातुर्मास के मंगल कलशों की स्थापना संपन्न हुई। जिसमें प्रथम कलश राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद वाले बापू नगर, दूसरा कलश अमरचंद, गजेंद्र, हर्षिल बड़जात्या प्रताप नगर और तीसरा कलश संदीप, नमन जैन देहरादून को लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सहित कुल 29 परिवारों को भी कलश स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान पूर्व राष्ट्रीय सचिव कांग्रेस संजय बापना ने भी आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।प्रचार संयोजक अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की रविवार को प्रातः 8.15 बजे ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज जिनालय में भगवान शांतिनाथ के दर्शन कर बैंड - बाजों के साथ मुख्य पांडाल में जैन श्रद्धालुओं के साथ प्रवेश किया जहां पर बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण नृत्य प्रस्तुत किया गया।इसके उपरांत पूर्व न्यायधिपति एनके जैन, रमेश जैन तिजारिया, कमलबाबु जैन, प्रदीप जैन लाला, विनोद जैन कोटखावदा, आलोक जैन तिजारिया, मनोज सोगानी, चेतन जैन निमोडिया, मनोज झांझरी, अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी वाले, मंत्री महेंद्र कुमार जैन पचाला वाले, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन, प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां आदि द्वारा चित्र अनावरण और दीप प्रवज्जलन कर समारोह की विधिवत शुरूवात की गई। इस दौरान लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद, फरीदाबाद, हिसार, गुरुग्राम, रोहतक, दिल्ली का सूरजमल विहार, ऋषभ विहार, रोहणी नगर सेक्टर 5, राधेपूरी, कृष्णा नगर, शहादरा, आगरा और एमपी सहित भरतपुर जैन समाज द्वारा श्रीफल भेंट कर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया और समिति द्वारा सभी का माला पहनाकर स्वागत किया। **चातुर्मास ज्ञान, ध्यान, तपस्या करने का मार्ग है, इसमें श्रावकों भी उसी मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है - आचार्य सौरभ** सागर जी वषायींग मंगल स्थापना से पूर्व आचार्य सौरभ सागर महाराज ने सभा को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचन में कहा की ₹ वषायींग, धर्म के संविभाग का समय है।प्रवृति से निवृति की ओर जाने का सुअवसर है। स्वयं को पाप से मुक्त करने की कला के जागरण का समय एवं संत समागम के अदभुत क्षण का नाम वषायींग है। वषायींग में साधु आषाढ़ सुदी चतुर्दशी से कार्तिक वदी चतुर्दशी तक एक स्थान पर रहता है और ज्ञान, ध्यान, तपस्या करके श्रावकों को भी उस मार्ग की ओर प्रेरित करता है।

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का आगरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालु आगवानी में, जैन समाज का चातुर्मास नहीं पूरे आगरा शहर का है केन्द्रीय मंत्री एस पी सिंह

आगरा. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध मोटीवेशन जैन संत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का आज ताज नगरी आगरा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री एस पी सिंह वघेल पूर्व महापौर नवीन जैन सहित अन्य विशेष लोग मुनि श्री के साथ पद विहार करते हुए चल रहे थे। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालु के साथ मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने आज प्रातः काल की वेला में छीपीटोला जैन मन्दिर में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा कराई जहां आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ के शिष्यो में मुनि संघ ने पाद प्रक्षालन कर मुनि पुंगव के दर्शन किए इसके बाद मुनि संघ को विशाल भव्य शोभायात्रा के रूप में शहार के मुख्य मार्गों से प्रवेश कराया गया इस दौरान केन्द्रीय मंत्री एस पी सिंह वघेल चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी महामंत्री नीरज जैन कार्य अध्यक्ष पी एल वैनारा जगदीश प्रसाद जैन स्वागतध्यक्ष हीरालाल वैनारा संयोजक मनोज जैन मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर थूवोनजी तीर्थ संरक्षण संजीव श्रागर पी एम सूरज विनोद छावडा विकास पटवारी पंकज भीलवाड़ा सचिन दिल्ली सहित सैकड़ों विशेष जन चल रहे थे ये धर्म सभा हरिपर्वत पहुंच कर धर्म सभा में वदल गई जहां आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के

समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया पाद प्रक्षालन पी एन सी परिवार के प्रदीप जैन निवृत्तमान महापौर नवीन जैन योगेश जैन सहित अन्य ने किया

धरती को पावन करने संत नंगे पैर पैदल चलते हैं: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि धरती मां का अनंत उपकार मनवता पर है साधु संत इतनी भीषण गर्मी में धरती को पावन पवित्र करने नंगें पैर पैदल चला करते हैं ये कोई परम्परा कह कर नहीं टाल सकते सनतान रूप में जैन धर्म की अलग आदर्श सहिता है ना जिसका ना कोई निर्माण है ना ही अंत करने वाला है जिसका विचार दश्य के साथ अदृश्य को भी अपने मे ले लेता है जैन संत अपने लक्ष्य को निर्धारित कर आगे बढ़ते हैं साधु जगत के कण कण को प्रकाश मान करना चाहते हैं बहुत सारे लोगों का प्रश्न है कि दिगम्बर साधु साधनो का प्रयोग करते आज पशु वाहन नहीं है आज पेट्रोल आदि से चलने से चलने वाले वाहनों का उपयोग कर सकते हैं बहुत से लोग इसे परम्परा मन कर इसका मूल्य कम करना चाहते हैं वो न ई चीज को सुइकार करना नहीं चाहते परम्परा ये लकीर के फकीर वनने के समान है ९९प्रतिशत लोग इसे परम्परा मानकर टाल देने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता ज्ञान शून्य हो गया धर्म शून्य हो गया असली चीज पीछे छूट गई हमे इससे आगे बढ़ना है सूर्य का निकला परम्परा है यदि ये मान लिया तो विकास रुक जायेगा हम प्रकृति को नुक्सान पहुंचाने लगगे सूरज निकलते ही सारे जगत का अंधकार मिट जायेगा प्रकृति ने संसार से अंधेर मिटाकर जगत के कल्याण का मार्ग खोल देते हैं। आगरा के सांसद और केंद्रीय मंत्री एस पी सिंह वघेल ने कहा कि ये चातुर्मास जैन समाज का चातुर्मास नहीं है ये पूरे आगरा का चातुर्मास है मैंने देखा है महाराज सहाब जैसे मोटीवेशन संत को करोड़ों रुपए देकर आप नहीं ला सकते हमारे भाग्य से ये संत पधारें है मैरा जहां लालन पालन हुआ ऐसे अशोक नगर के विजय धुर्रा जी मुंगावली गुना के लोग बैठे हैं वहीं मैं देख रहा हूं टूंडला मनियां धौलपुर सहित पूरे अंचल से हजारों श्रद्धालु आये आप सभी का आगरा में स्वागत है इस दौरान प्रदीप पी एन सी ने विचार रखे समारोह में प्रदीप भइया शुयस ने कार्यक्रम को गति दी संचालन मनोज जैन ने किया।

पवित्र चरणों से दौरिका पवित्र हुए इस लिए तो पैदल चलते हैं: मुनि श्री

इस दौरान मुनि पुंगव ने कहा कि ये चातुर्मास युवाओ के लिए है युवा वर्ग आगे आयेंगे भरत चक्रवर्ती सारे परिवार को मन्दिर भेजने के वाद भोजन कराएं वाप घर में रहेगा वेटा मन्टू मन्दिर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने देश में युवाओं को प्रोत्सान दिया तो आज देश में युवा संत दिख रहे हैं उन्होंने कहा कि साधु के वचन के साथ जो करुणा निकल ती जो आशीर्वाद प्राप्त करता है जो रेज निकली है उनकी कृपा सामने से जो मिलती है वह टी वी पर नहीं मिल सकता आज की युवा पीढ़ी विडढ रही उसके कारण आप है पिता ने उसे अपने पिता ने अच्छा रास्ता दिखा दिया। धर्म हमारे जीवन का सत्य है धर्म हमारा कर्म है कर्तव्य है धर्म को परम्परा मत मानो सुदामा जव अपने मित्र श्री कृष्ण से मिलने पहुंचे तो रानीओ ने उन्हें बहुत सारे उपहार दिए इतने में वहां श्री कृष्ण जी आ गए उन्होंने कहा कि मैं भी अपने मित्र को उपाने पहना सकता था लेकिन इससे इनकी तपस्या से जो दैवरिका पवित्र होने वाली थी वह रुक जाती आज तक इस सिंहासन पर कोई नहीं वैठा तपस्या वी साधू अपने पैरों से जिस भूमि पर तुम्हेंरे पैर पढ़ेंगे वह भूमि पवित्र हो जायेगा महावीर की ये परम्परा नहीं है अपने चरणों से इस भूमि को पवित्र कर दो श्री कृष्ण ने कहा कि महान तपस्वी के पैरों से दौरिका पवित्र हो जायेगा आपने सुदामा को उपायने पसनाकर दौरिका का विकास रोक दिया तुम समझते हो साधु खुले वदन नंगें पैर चलता है उसके पीछे जगत कल्याण की भावना छिपी रहती है।

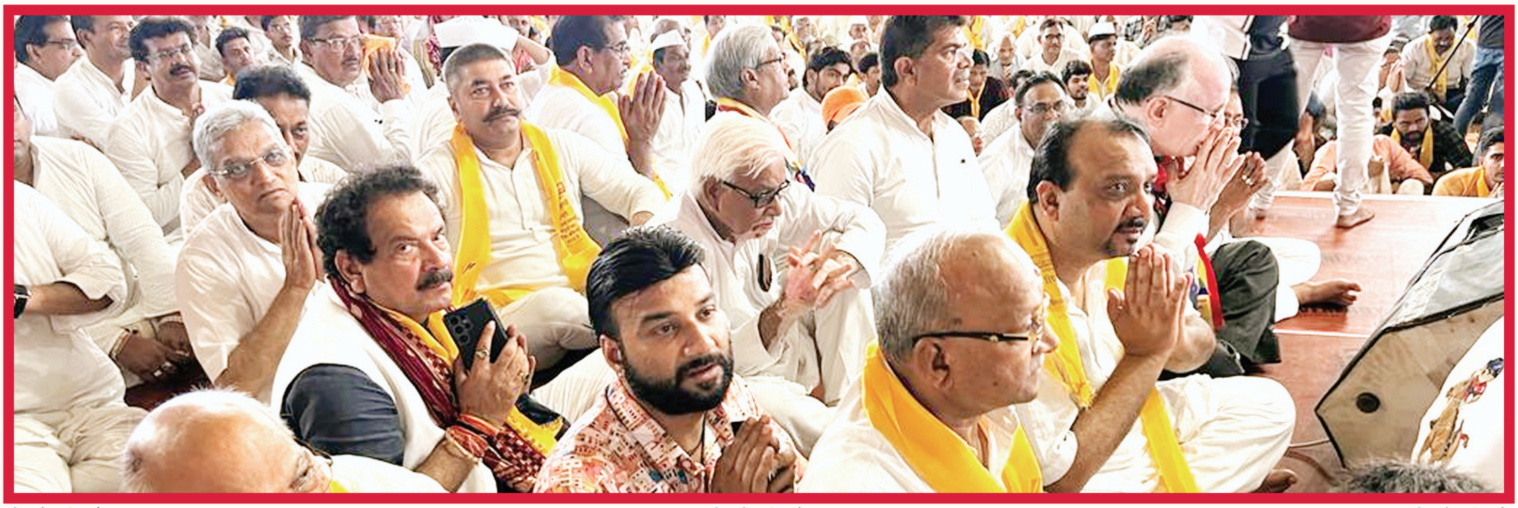

चातुर्मास के प्रथम दिन सैकड़ों तपस्वियों ने प्रवचन सभा मे तप करके दी साध्वीयो को चातुर्मास भेंट

नियमित धर्म आराधना साधना करने से ही मानव संसार से अपनी आत्मा को मुक्ति दिला पाएगा: प्रखर वक्ता साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्म ध्यान तप आराधना करने ही मानव भव सफल बन सकता है। प्रखर वक्ता डॉ प्रितीसुधा ने रविवार को अहिंसा भवन मे चातुर्मास के प्रथम दिन सैकड़ों श्रध्दालूओ को धर्मसंदेश देते हुये कहा कि संसार मे इंसान को मनुष्य भव बार बार नही मिलने वाला है। चौरासी लाख योनियों के बाद ही मानव जीवन प्राप्त होता है । मनुष्य योनी ही ऐसी योनी है जिससे आत्मा को संसार से मुक्ति मिल सकती है । नियमित साधना होगी तभी संसार के माया जाल से प्रांणी भवसागर पार कर पाएगा ।साध्वी संयम सुधा ने कहा कि चातुर्मास तभी सार्थक बन सकता है जब जीवन मे धर्म का समावेश होगा तभी जीवन सफल बन पाएगा। महासती उमराव कंवर ने सामूहिक तेला तप की तपस्या करने वाले सभी भाई बहनो को प्रत्याख्यान दिलाते हुये कहा कि तपस्या वही कर सकता है जिसके मन पर अंकुश हो भावना शुध्द होगी तभी तप का सुफल प्राप्त हो पाएगा। चातुर्मास के प्रथम दिन अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल निर्वतमान अध्यक्ष अशोक पोखरना महामंत्री रिखबचंद पीपाड़ा,समाजसेवी हेमन्त आंचलिया, सुशील चपलोत हिम्मतसिंह बापना संदीप छाजेड़ तथा चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,मंत्री रजनी सिंघवी,मंजू बापना,उमा आचंलिया,सरोज महता,अंजना सिसोदिया पूर्वसभापति मंजू पोखरना आदि सभी पदाधिकारियों ने धर्मसभा मे विचार व्यक्त किये ओर तपस्वियों के तप की अनुमोदना की गई। संघ मंत्री रिखब चन्द पीपाड़ा ने जानकारी देते हुये बताया की सोमवार को गुरू पूर्णिमा साध्वी मंडल के विषेश प्रवचन रहेंगे तथा सामूहिक नवकार महामंत्र का जाप किया जायेगा।